

डॉ. जॉन ओसवाल्ट, किंग्स, सत्र 14, भाग 2

1 राजा 17-18, भाग 2---युद्ध की प्रस्तावना

© 2024 जॉन ओसवाल्ट और टेड हिल्डेब्रांट

अध्याय 18, और इसका पहला भाग श्लोक 1 से 19 है। मैंने इसे युद्ध की प्रस्तावना कहा है। फिर से, यह मेरे लिए बहुत दिलचस्प है कि बाइबल में हमें जो सामग्री मिलती है उसका अनुपात क्या है।

हमारे पास एलिय्याह का परिचय देने वाले 24 श्लोक थे। अब, हमारे पास 19 श्लोक हैं, जो माउंट कार्मेल पर संघर्ष की ओर ले जाते हैं। खैर, माउंट कार्मेल पर संघर्ष स्पष्ट रूप से सबसे महत्वपूर्ण है और इसमें लगभग 35 श्लोक हैं।

नहीं, माफ़ कीजिए, 25 आयतें। लेकिन संघर्ष का परिचय देने वाली, उसे स्थापित करने वाली यह सामग्री 19 आयतें प्राप्त करती है। इसे बाइबल अध्ययनों में अनुपात का नियम कहा जाता है।

और पूछने का सवाल यह है कि भगवान और उनके प्रेरित लेखक इस सामग्री पर इतना ध्यान क्यों देते हैं। यह महत्वपूर्ण होना चाहिए। और इसलिए हम खुद से पूछते हैं, इसका क्या महत्व है? यह सामग्री क्यों? मेरे पास इसका कोई तैयार जवाब नहीं है, लेकिन मेरे पास कुछ सुझाव हैं कि यहाँ क्या हो रहा है। हम स्थिति के बारे में समझ रहे हैं, और एक अच्छा लेखक हमारे, पाठकों के सामने स्थिति को प्रस्तुत करते हुए सस्पेंस बनाता है।

तो, यहाँ स्थिति क्या है? तीन साल बीत चुके हैं। और अध्याय 18, श्लोक 1 पर ध्यान दें, लंबे समय के बाद, तीसरे वर्ष में, क्या हुआ? प्रभु का वचन एलिय्याह के पास आया। हाँ, वह परमेश्वर जो बोलता है।

एक बार फिर, हम यहाँ इस बात पर ज़ोर देते हैं कि जो कुछ हो रहा है वह सिर्फ़ एलिय्याह द्वारा यह तय करना नहीं है कि वह इसराइल को कैसे परेशान करेगा। नहीं, एलिय्याह परमेश्वर की कही बातों का जवाब दे रहा है। अब, मैंने पहले भी आपसे कहा है कि यह बहुत ज़रूरी है कि आप बाइबल में भविष्यवक्ता और प्राचीन निकट पूर्व के बाकी हिस्सों में भविष्यवक्ता के बीच अंतर देखें।

प्राचीन निकट पूर्व के बाकी हिस्सों में, पैगम्बर एक मुखपत्र होता है। माना जाता है कि ईश्वर पैगम्बर को पकड़ लेता है और पैगम्बर बस ये शब्द बोलता है। लेकिन यहाँ ऐसा नहीं है।

यहाँ आपके पास एक संवाद है। बाइबल में परमेश्वर के पास भविष्यवक्ता नहीं हैं। वह उन्हें भरता है।

तो, एलिय्याह एक व्यक्ति है, एलीशा दूसरा, लेकिन यह एक ही परमेश्वर है जो उन दोनों को भरता है। और इसलिए, हाँ, एलिय्याह परमेश्वर से एक वचन सुनता है। और सवाल यह है कि एलिय्याह इसके बारे में क्या करने जा रहा है? यह कबज़ा नहीं है।

हाँ, वह वही संदेश देता है जो परमेश्वर देना चाहता है। वह वही संदेश देता है जो परमेश्वर देना चाहता है। लेकिन वह परमेश्वर के साथ एक भागीदार के रूप में, परमेश्वर के साथ एक संवाद भागीदार के रूप में यह संदेश देता है।

परमेश्वर हमें यही करने के लिए आमंत्रित करता है। वह आपके व्यक्तित्व को मिटाना नहीं चाहता। वह आपको किसी और में नहीं बदलना चाहता।

वह तुम्हारा, तुम्हारे खास आकार का इस्तेमाल करना चाहता है। तुम कहते हो, ठीक है, मैं कोई प्याला नहीं हूँ। मैं एक बदसूरत मग जैसा कुछ हूँ।

यह ठीक है। भगवान एक प्याले की तरह ही बदसूरत मग का भी रूप लेना चाहते हैं। लेकिन यह एक ही भगवान है।

और वह तुम्हें और मुझे बुलाता है, हे बच्चे, मुझे तुम्हें अपने आप से भरने दो। मुझे तुम्हारी विशेष विशेषताओं को ग्रहण करने दो। और मुझे दुनिया को उसी सुनहरे अमृत से आशीर्वाद देने दो जो प्याले से निकलता है और मग से निकलता है।

जाओ और अहाब के सामने पेश हो जाओ, मैं देश पर बारिश भेजूंगा। इसलिए, एलिय्याह अहाब के सामने खुद को पेश करने गया। अब, एक मिनट रुको।

वह पहले से ही जानता है कि ओबद्याह कुछ आयतों के बाद उसे क्या बताने वाला है। अहाब उसे ढूँढ़ रहा है। और अहाब के पास उसके लिए अच्छे विचार नहीं हैं।

लेकिन भगवान ने ऐसा कहा। इसलिए, एलिय्याह ने ऐसा किया। मैं उत्पत्ति की पुस्तक के बारे में सोचता हूँ।

अब्राहम ने कहा, अपने बेटे, अपने इकलौते बेटे इसहाक को, जिससे तू प्यार करता है, लेकर उसकी बलि चढ़ा। इसलिए, अब्राहम सुबह जल्दी उठ गया। और मैं अक्सर सोचता हूँ कि रात में परमेश्वर के आदेश और अब्राहम की प्रतिक्रिया के बीच क्या हुआ।

मुझे लगता है कि यह एक लंबी, नींद रहित रात थी। लेकिन मुद्दा यह नहीं है। मुद्दा यह है कि उसने ऐसा किया।

तो यहाँ। अब, अनुपात के इस नियम के बारे में बात करना फिर से दिलचस्प है। एलिय्याह खुद को अहाब के सामने पेश करने गया।

ठीक है, चलिए अब सीधे अध्याय 18, श्लोक 16 पर चलते हैं। अहाब एलिय्याह से मिलने गया। जब उसने एलिय्याह को देखा, तो उसने पूछा, इन श्लोकों में क्या हो रहा है? एक बार फिर, हम यहाँ एक तस्वीर देख रहे हैं।

इस सूखे की गंभीरता का पहला कारण अहाब और ओबद्याह है, जो मुझे लगभग यकीन है कि देश के प्रधानमंत्री हैं। यह शब्द महल, शाब्दिक रूप से, वह घर के ऊपर है।

एनआईवी इसका अनुवाद महल प्रशासक के रूप में करता है। खैर, यह सही हो सकता है। लेकिन जब मैं इन लोगों को देखता हूँ जो इस पदवी को धारण करते हैं, तो मुझे लगता है कि महल का प्रबंधन करने के अलावा भी इनके पास बहुत ज़्यादा ज़िम्मेदारियाँ हैं।

इसलिए अगर मैं स्वर्ग में जाऊँ और भगवान कहें, नहीं, वह महल का प्रशासक था। तो मैं कहूँगा हाँ, सर। लेकिन मुझे लगता है कि वह प्रधानमंत्री है।

यहाँ राजा एक दिशा में जा रहा है और प्रधानमंत्री दूसरी दिशा में जा रहे हैं, बस थोड़ी घास ढूँढने के लिए। क्योंकि ऐसा लगता है कि मवेशी पहले ही मर चुके हैं। हमें किसी तरह घोड़ों और खच्चरों को जीवित रखना है।

क्यों? क्योंकि वे युद्ध के उपकरण हैं। खच्चर सामग्री ढोने के लिए, आपूर्ति ढोने के लिए, विभिन्न गाड़ियों को खींचने के लिए, और रथों के लिए घोड़े। अगर ये मर जाते हैं, तो हम अपने दुश्मनों के सामने असहाय हो जाते हैं।

यह एक बहुत ही गंभीर स्थिति है। फिर, मुझे लगता है कि दूसरी बात यह है कि ओबद्याह का परिचय दिया जाए। मुझे हमेशा से ही न्यायियों की पुस्तक पढ़ने के बाद रूत की पुस्तक पढ़ना पसंद रहा है।

क्योंकि मुझे याद आता है कि उस अराजकता के बीच, उस खून-खराबे के बीच, उस बड़े पैमाने पर अवज्ञा के बीच, ऐसे लोग थे जो वफ़ादार थे। ऐसे लोग थे जो विश्वास बनाए रख रहे थे, जो आगे बढ़ रहे थे। यह कुछ ऐसा है जो हमें बाद में पता चलता है कि एलिय्याह भूल गया था।

मैं ही बचा हुआ हूँ, भगवान। भगवान कहते हैं, नहीं, तुम नहीं हो। मेरे पास 7,000 लोग हैं जो वफ़ादार हैं, और ओबद्याह उनमें से एक है।

यहाँ, देश के प्रधानमंत्री बाल के आगे नहीं झुक रहे हैं। वास्तव में, वास्तव में, उन्होंने यहोवा के 100 भविष्यद्वक्ताओं को इज़ेबेल की जानलेवा योजनाओं से बचाने के लिए अपनी जान जोखिम में डाल दी है। हाँ, सूखा भयानक है।

स्थिति भयावह है। लेकिन इसके बीच में भी ऐसे लोग हैं जिन्होंने अपना विश्वास नहीं खोया है। ऐसे लोग नहीं हैं जो इस शक्तिशाली रानी की भयानक शक्ति के आगे झुक गए हैं।

यह आप और मुझे क्या बताता है? ओह, वास्तव में बहुत कठिन समय हो सकता है, जैसे कि हमने 2020 में अनुभव किया, और उम्मीद है कि 2021 में यह कम हो जाएगा। लेकिन सवाल यह है कि इसने आपके और मेरे विश्वास को क्या नुकसान पहुंचाया है? क्या इसने इसे खत्म कर दिया है? क्या हम अपने आस-पास की निराशा के आगे झुक गए हैं? या हमने इस सबके बीच टट्ट

रहना चुना है? जहाँ तक हम जानते हैं, ओबद्याह को स्वर्ग से कोई संकेत नहीं मिला था कि उसके विश्वास को पुरस्कृत किया जाएगा। उसने बस वफ़ादार रहना चुना।

और यही वह विकल्प है जो आपके और मेरे सामने है। इसलिए, पद सात में, जब ओबद्याह चल रहा था, एलिय्याह उससे मिला। ओबद्याह ने उसे पहचान लिया।

उसने ज़मीन पर सिर झुकाया और कहा, क्या यह वास्तव में आप हैं, मेरे प्रभु एलिय्याह? हाँ, उसने उत्तर दिया। जाओ और अपने स्वामी एलिय्याह से कहो कि यहाँ है। ओबद्याह ने कहा, ओह, मैंने तुम्हारा क्या बिगाड़ा है कि तुम मुझे मारना चाहते हो? ओह, एलिय्याह के प्रति अहाब का रवैया क्या है? अगर वह उस व्यक्ति को मार डालेगा जो झूठी खबर देता है कि उसने एलिय्याह को पा लिया है, तो हे भगवान, वह एलिय्याह के साथ क्या कर सकता है? अब, मेरा सवाल यह है कि ओबद्याह क्यों चिंतित है? वह कहता है कि मैं अपने राजा से कहूँगा, अरे, मैंने एलिय्याह को पा लिया है।

वह सड़क से लगभग दो मील दूर है। और तुम्हें पता है क्या? वह तुम्हें पकड़ने जाएगा, और उसे कुछ नहीं मिलेगा। क्यों? क्योंकि तुम भाग जाओगे।

नहीं, ध्यान दें कि वह क्या कहता है। वह कहता है, श्लोक 12 में, मैं नहीं जानता कि जब मैं तुम्हें छोड़ दूँगा तो प्रभु की आत्मा तुम्हें कहाँ ले जाएगी। क्या यह दिलचस्प नहीं है? ऐसा नहीं है कि एलिय्याह भाग जाएगा क्योंकि वह डर गया है।

ऐसा नहीं है कि एलिय्याह अपना मन बदल लेगा। बात यह है कि एलिय्याह परमेश्वर का सेवक है और परमेश्वर एलिय्याह के साथ कभी भी कुछ भी कर सकता है जो वह चाहे। ओह माय, ओह माय।

क्या आपके बारे में भी ऐसा कहा जा सकता है? वह नहीं जानती कि वह आगे कहाँ होगी क्योंकि परमेश्वर का उसके जीवन पर पूरा नियंत्रण है, और वह कभी भी उसके साथ कुछ भी कर सकता है। ओबद्याह को परमेश्वर की समझ है, है न? आप कहते हैं, ठीक है, हाँ, वह समझता है कि परमेश्वर पर भरोसा नहीं किया जा सकता। नहीं, नहीं, ऐसा नहीं है।

वह समझता है कि यद्यपि परमेश्वर पूर्णतः सुसंगत है, फिर भी वह हमेशा वही करेगा जो सही है। वह हमेशा वही करेगा जो अच्छा है। वह हमेशा वही करेगा जो हमारे लिए सर्वोत्तम है।

वह बिल्कुल सुसंगत है। वह पूर्वानुमान योग्य नहीं है। हम एक पूर्वानुमान योग्य ईश्वर चाहते हैं।

हाँ, कल उन्होंने ऐसा ही किया था। आज भी वे ऐसा ही करेंगे ताकि हमें आश्चर्य, संभावना और अवसर के माहौल में न रहना पड़े।

देखिए, मैंने पहले भी आपसे कहा है: भगवान में बोरियत का स्तर बहुत कम है। वह कहते हैं, ओह, मैंने पहले ही इसे इस तरह से किया है। चलो इस बार इसे इस तरह से करते हैं।

वह है; इसे लिख लें। वह पूरी तरह से सुसंगत है, लेकिन वह कभी भी पूर्वानुमानित नहीं होता। भगवान को एक बॉक्स में रखें और आप एक बात जानते हैं, आपके पास बहुत जल्द एक टूटा हुआ बॉक्स होने वाला है।

और ओबद्याह यह जानता है। अकाल भयानक है। एलिय्याह पूरी तरह से आज्ञाकारी है।

ऐसे लोग हैं जिन्होंने अपना विश्वास नहीं छोड़ा है। अहाब खतरनाक है। उसने तुम्हें यहाँ के हर देश में ढूँढा है।

और जब लोगों ने कहा, ठीक है, वह यहाँ नहीं है, तो उसने उनसे कसम खाई कि उन्हें नहीं पता था कि तुम कहाँ थे। और एलिय्याह ने कहा, स्वर्ग की सेनाओं के यहोवा के जीवन की शपथ, जिसकी मैं सेवा करता हूँ, मैं निश्चित रूप से आज अहाब के सामने उपस्थित होऊँगा। उसने परमेश्वर के नाम पर शपथ ली है।

अगर मैं यह वादा पूरा नहीं करता तो भगवान मुझे मौत के घाट उतार दे। और इसलिए, ओबद्याह चला गया। तो, हमने युद्ध की प्रस्तावना देख ली है।

और अब हम युद्ध की ओर तथा केन्द्रीय प्रश्न की ओर आते हैं: ईश्वर कौन है?